[This question paper contains 6 printed pages.]

**7981**

*Your Roll No.* .....

*आपका अनुक्रमांक* .....

**LL.B./IV Term** **ES**

Paper LB–4035 : COMMERCIAL TRANSACTIONS

*Time : 3 Hours* *Maximum Marks : 100*

*समय : 3 घण्टे* *पूर्णांक : 100*

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

*(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)*

*Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

*टिप्पणी :- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Attempt* **five** *questions.*
**All** *questions carry equal marks.*

*कुल* **पाँच** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*
**सभी** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

1. (a) Define Unpaid Seller. When an unpaid seller can exercise his right of lien on the goods, and when he losses lien thereon ?

(b) The goods sold were delivered to the buyer's shipping agents, who had put them on board a ship. But the goods were returned to the seller for packing. While they were still with the seller on this mission the buyer became insolvent and the seller being an unpaid seller claimed to retain the goods in the exercise of their lien. Advise the seller.

(क) अदत्त विक्रेता की परिभाषा लिखिए। अदत्त विक्रेता अपने धारणाधिकार के अधिकार का कब प्रयोग कर सकता है और वह कब उन पर अपना धारणाधिकार खो देता है ?

(ख) बेचे गए माल का क्रेता के शिपिंग एजेन्ट को परिदान कर दिया गया जिसने उसको पोत पर लदान कर दिया। किन्तु माल को पैकिंग हेतु विक्रेता को लौटा दिया गया। जब वे इस काम हेतु विक्रेता के पास रहे क्रेता दिवालिया हो गया तथा अदत्त विक्रेता होने के नाते विक्रेता ने उनके धारणाधिकार का प्रयोग करके माल के प्रतिधारण की मांग की। विक्रेता को सलाह दीजिए।

2. The principle of protecting bona-fide commercial transitions is given effect to by engrafting a number of exceptions upon the general principle as laid down in Sec. 27.

Discuss these exceptions in detail with the help of decided cases.

सद्भावी वाणिज्यिक संव्यवहारों को संरक्षित करने के सिद्धान्त को धारा 27 में यथा अधिकथित साधारण सिद्धान्त के ऊपर अनेक अपवाद आरोपित करके प्रभावी बनाया जाता है।

विनिश्चित केसों की सहायता से इन अपवादों का सविस्तार विवेचन कीजिए।

3. The exceptions to the rule of Caveat Emptor have now become more prominent than the rule itself. The rule owes its origin to the times, when nearly all sales took place in the market. The buyer and the seller came face to face, the seller exhibited his wares, the buyer examined them and bought them if he liked. But as trade grew and assumed global dimensions, it became difficult for buyers to examine goods before hand, most transitions being concluded by correspondence. Further on account of the complex structure of modern goods, it is only the sellers who can assure the contents and quality of goods. For these reasons it became necessary to restrict the rule of Caveat Emptor by grafting a few exceptions upon its scope.

Discuss the essence of these exceptions with the help of decided cases.

'क्रेता सावधान रहे' नियम के अपवाद स्वयं नियम से कहीं अधिक प्रखर हो गए हैं। इस नियम का उद्‌गम उस समय पर हुआ था जब प्राय: सभी विक्रय बाजार में हुआ करते थे। क्रेता-विक्रेता आमने-सामने हुआ करते थे। विक्रेता अपने माल को प्रदर्शित किया करता था क्रेता उनको जांचता था और यदि पसंद आते तो उन्हें खरीदता था। किन्तु ज्यों-ज्यों व्यापार बढ़ने लगा और वैश्विक आयाम ग्रहण कर गया क्रेताओं के लिए पहले से माल को जांचना कठिन हो गया, अधिकांश संव्यवहार पत्राचार द्वारा सम्पन्न होते हैं। इसके अतिरिक्त आधुनिक सामान की जटिल संरचना होने के कारण केवल विक्रेता ही माल की वस्तुगत गुणवत्ता का आश्वासन दे सकता है। इन कारणों से *क्रेता सावधान रहे* नियम की परिव्याप्ति पर कुछ अपवाद आरोपित करके इस पर प्रतिबंध लगाना आवश्यक हो गया।

विनिश्चित केसों की सहायता से इन अपवादों के सार-तत्व का विवेचन कीजिए।

4. Attempt briefly any **two** of the following :

(a) Condition as to title

(b) Hire-Purchase Agreements

(c) Rules relating to delivery

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) हक़ सम्बन्धी शर्त

(ख) किराया-क्रय करार

(ग) परिदान सम्बन्धी नियम

5. Who is a "Consumer" under the Consumer Protection Act 1986 ? What are the rights of the consumer ? Discuss the composition, powers and jurisdiction of National Consumer Disputes Redressal Commission.

उपभोक्त संरक्षण अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत उपभोक्ता कौन है ? उपभोक्ता के क्या अधिकार हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के संयोजन शक्तियों और अधिकारिता का विवेचन कीजिए।

6. (a) Discuss the observations of House of Lords in Wallis Son and Well v/s Pratt (1911) A.C. 394 that when a condition is reduced to warranty, the effect is not that the condition become warranty.

(b) Distinguish between Sale and Agreement to Sell.

(क) Wallis Son and Well v/s Pratt (1911) A.C. 394 में हाउस ऑफ लॉर्ड्स की इस टिप्पणी का विवेचन कीजिए कि जब किसी शर्त को कम करके वारंटी कर दिया जाता है परिणाम यह नहीं होता है कि शर्त वारंटी बन गई।

(ख) विक्रय और विक्रय-करार के बीच भेद सुस्पष्ट कीजिए।

7. (a) Discuss the rules relating to the passing of property of unspecific goods.

(b) What remedies are available to buyer for breech of Condition and Warranty ?

(क) अविनिर्दिष्ट मालगत सम्पत्ति के संक्रान्त होने सम्बन्धी नियमों का विवेचन कीजिए।

(ख) शर्त और वारंटी के भंग हेतु क्रेता को क्या उपचार उपलब्ध हैं ?

8. (a) "An agreement to sell is a contract pure and simple, whereas a sale is a Contract plus Conveyance."

Discuss the above statement.

(b) A, a jeweller delivers some diamonds to B, on sale or return. B, pledged the diamonds with C. B, failed to pay the price of diamonds and A commenced an action against C to recover the diamonds. Will he succeed ?

(क) "विक्रस करने के लिए करार एक शुद्ध और सपाट संविदा होती है जबकि विक्रय एक संविदा जमा हस्तान्तरण है।"

उपर्युक्त कथन का विवेचन कीजिए।

(ख) जौहरी A कुछ हीरों का विक्रय अथवा वापसी पर B को परिदान करता है। B ने हीरे C के पास गिरवी रख दिए। B हीरों का मूल्य अदा करने में विफल रहा और A ने हीरों की वसूली के लिए C के विरूद्ध अनुयोग शुरू कर दिया। क्या वह सफल होगा ?